

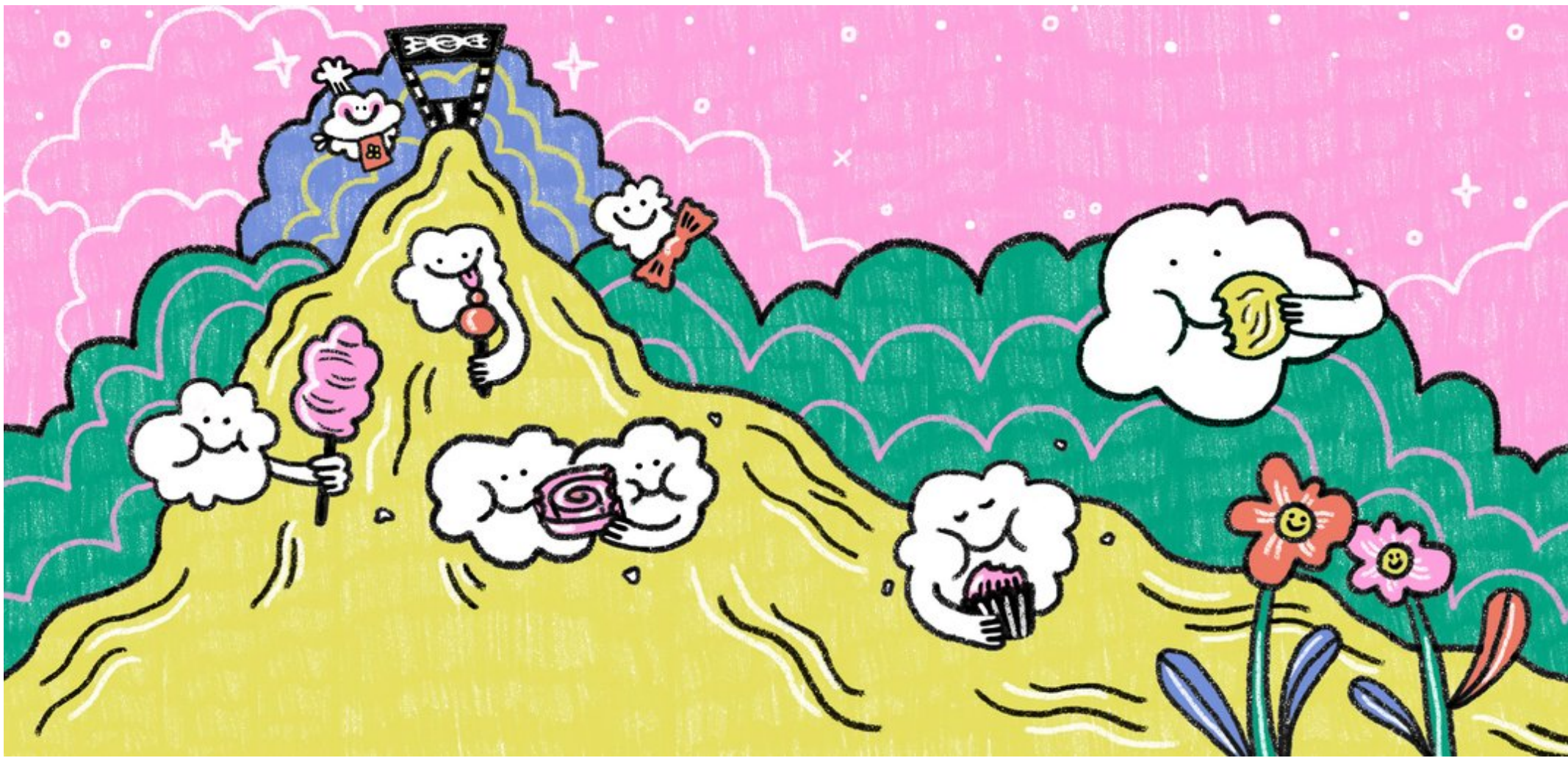


मेघा - एक खुशमिज़ाज़ बादल

Author: Kuzhali Manickavel

Illustrator: Aditi Damle

Translator: Pooja

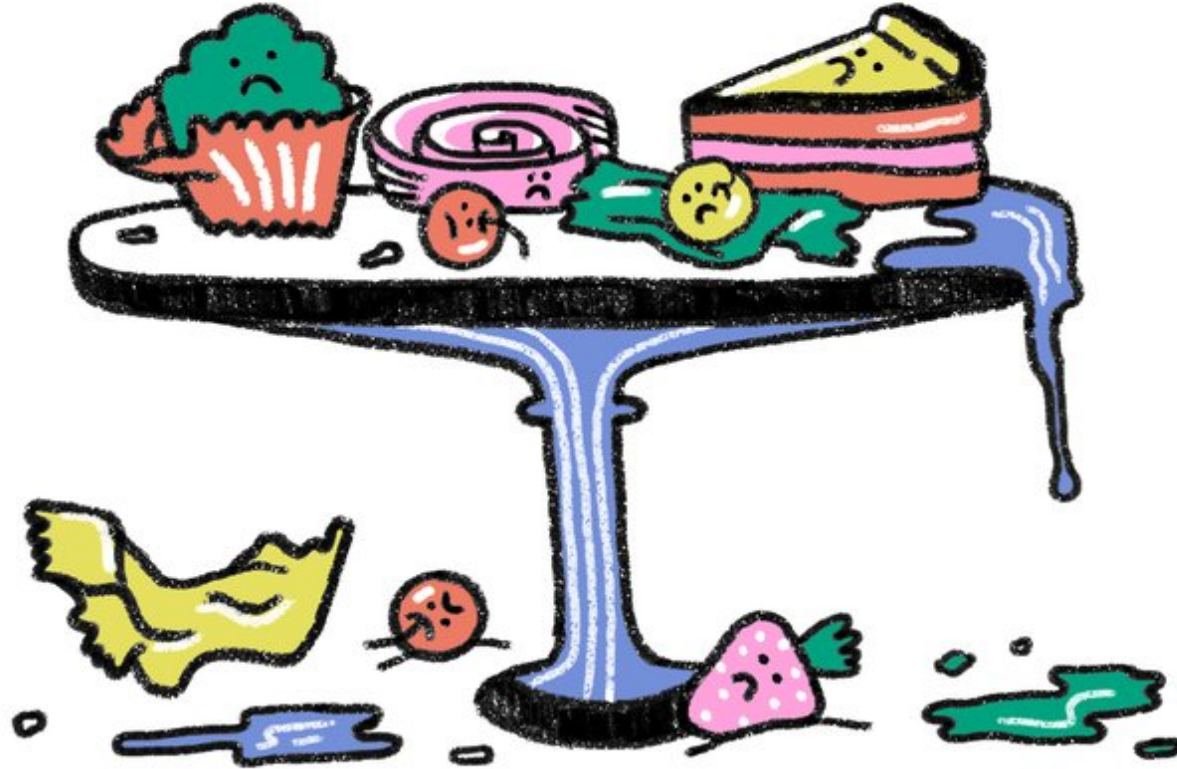


मेघपुरम में मेघा सबसे खुशमिज़ाज़ बादल हुआ करती थी। वह अपनी मिठाई की दुकान से प्यार करती थी और उसे मिठाई बनाना बहुत पसंद था। एक दिन मेघा को एक दावत के लिए १००० मिठाई बनाने का आर्डर मिला। पहले तो वह बहुत उत्साहित थी। उसने कल्पना की कि सभी महान बादल दावत में उसकी मिठाइयों का आनंद ले रहे हैं।

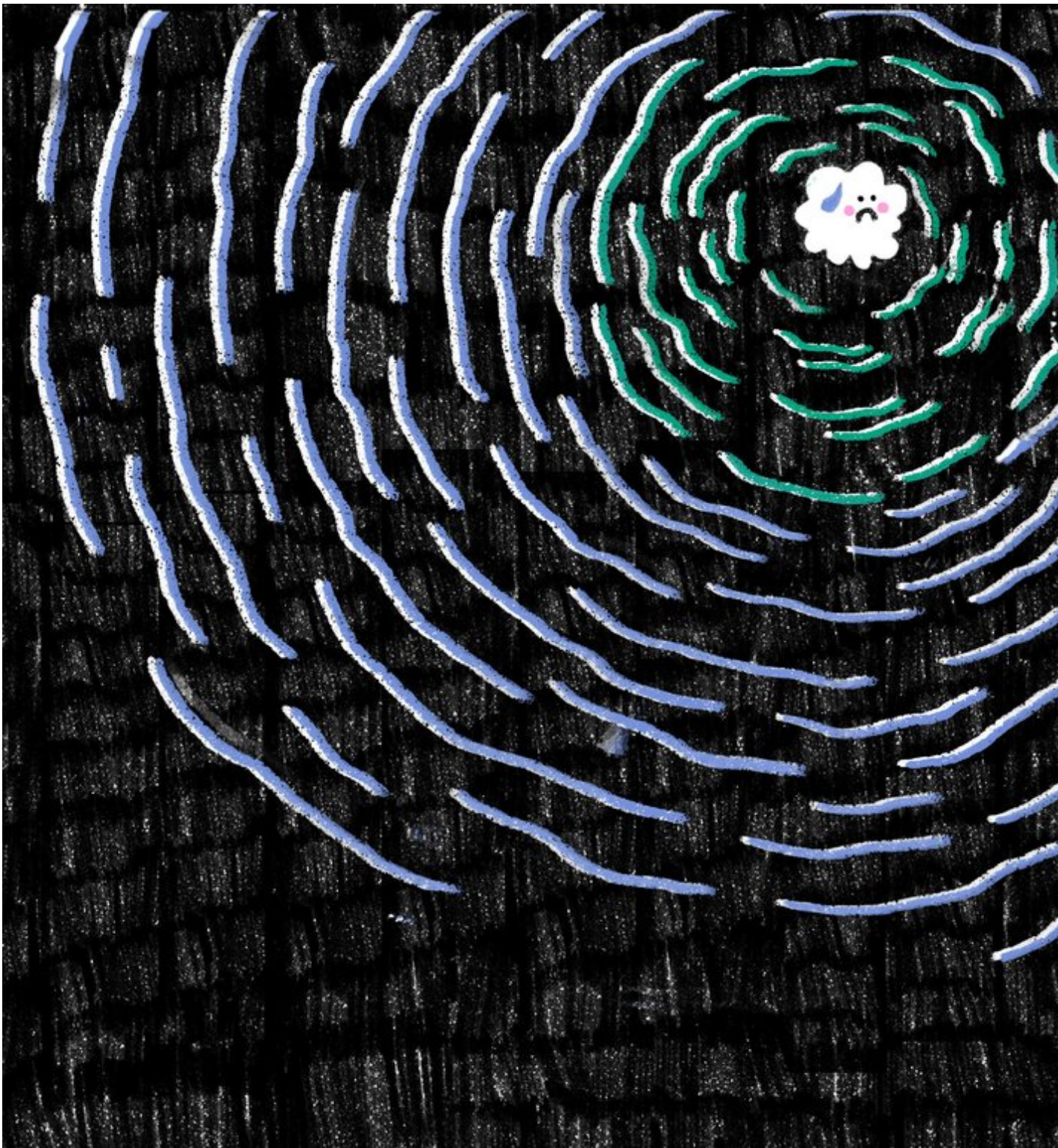


फिर उसे चिंता होने लगी। क्या होगा अगर वह १००० मिठाइयाँ ना बना पाई? क्या होगा अगर किसी को मिठाइयाँ पसंद ना आई? क्या होगा, क्या होगा, क्या होगा अगर...? मेघा सो नहीं पाई। वह १००० मिठाइयों के बारे में सोचती रही और सोचती रही 'क्या होगा अगर'। वह खाना नहीं खा पायी। उसके हाथ पसीने से तर थे। ऐसा लग रहा था मानो उसका पेट ज़ोरों से गुड़गुड़ा रहा हो।

मेघा ने कड़ी मेहनत करने की कोशिश की पर फिर भी उसको चिंता सताती रही।



“क्या होगा अगर सब कुछ गड़बड़ हो गया? अगर मैं नहीं कर पायी तो क्या होगा?
क्या होगा अगर किसी को भी मेरी बनाई मिठाइयाँ पसंद नहीं आई?”



वह सिमट गयी और उसका रंग धूसर पड़ गया। उसके हाथ काँपने लगे। वह ठीक से सांस भी नहीं ले पा रही थी!



एक दिन मेघा बिस्तर से उठ नहीं पायी। उसकी हालत बहुत खराब थी। उसको अभी भी बहुत सारी मिठाइयाँ बनाना बाकी था! अब वह क्या करेगी?



मेघा की बड़ी बहन पयोधी उसे देखने आयी। मेघा रोने लगी। उसने पयोधी को सारी बात बतायी। अजीब से बात थी पर ऐसा करने से वह बेहतर महसूस करने लगी।

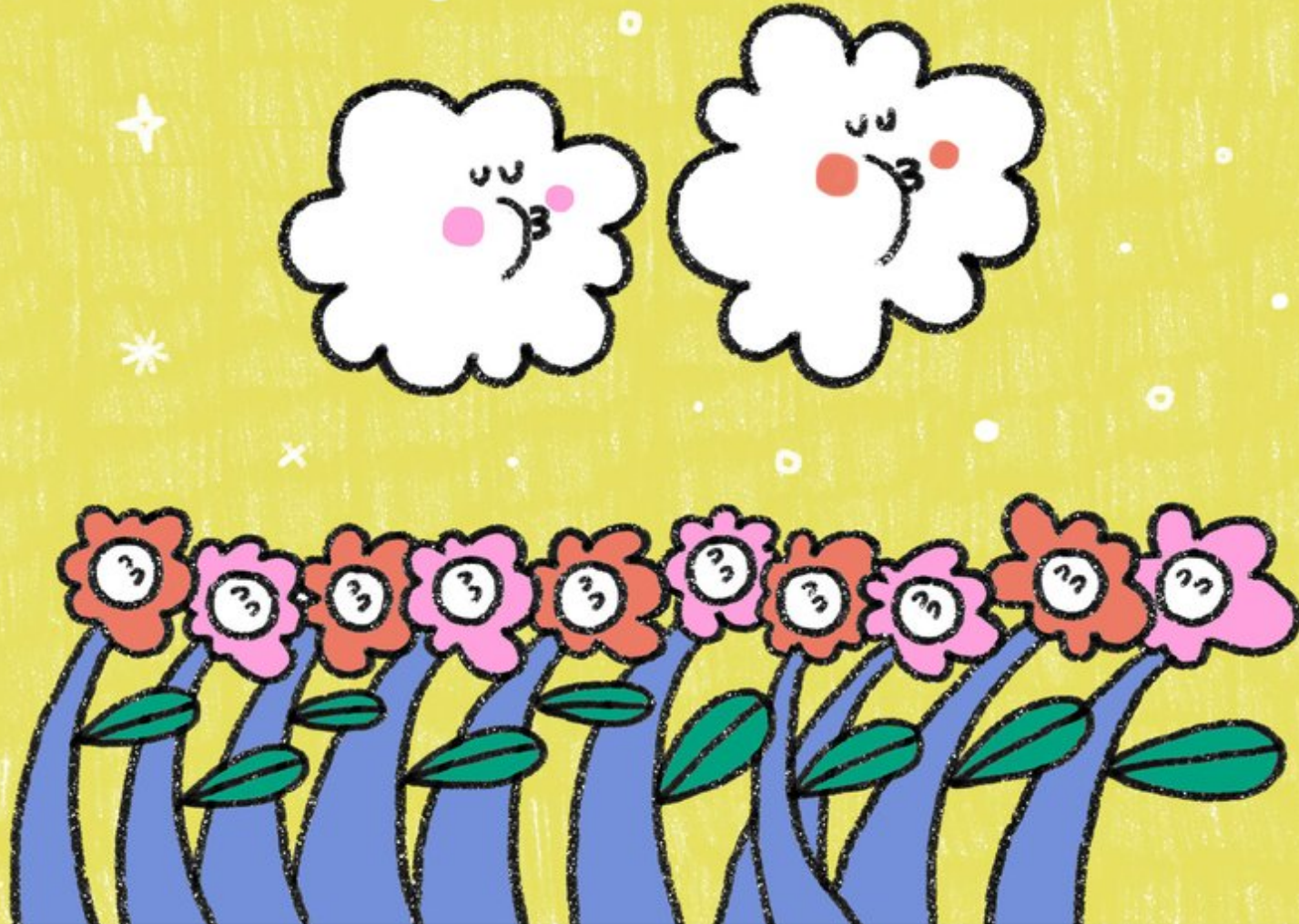
“ठीक है, चलो पहले दोनों मिलकर कुछ गहरी साँसें लेते हैं,” पयोधी ने कहा।

उन्होंने दस की गिनती तक सांस को धीरे-धीरे अंदर लिया। फिर दस की गिनती तक सांस को धीरे-धीरे बाहर छोड़ा।
मेघा और भी बेहतर महसूस करने लगी।



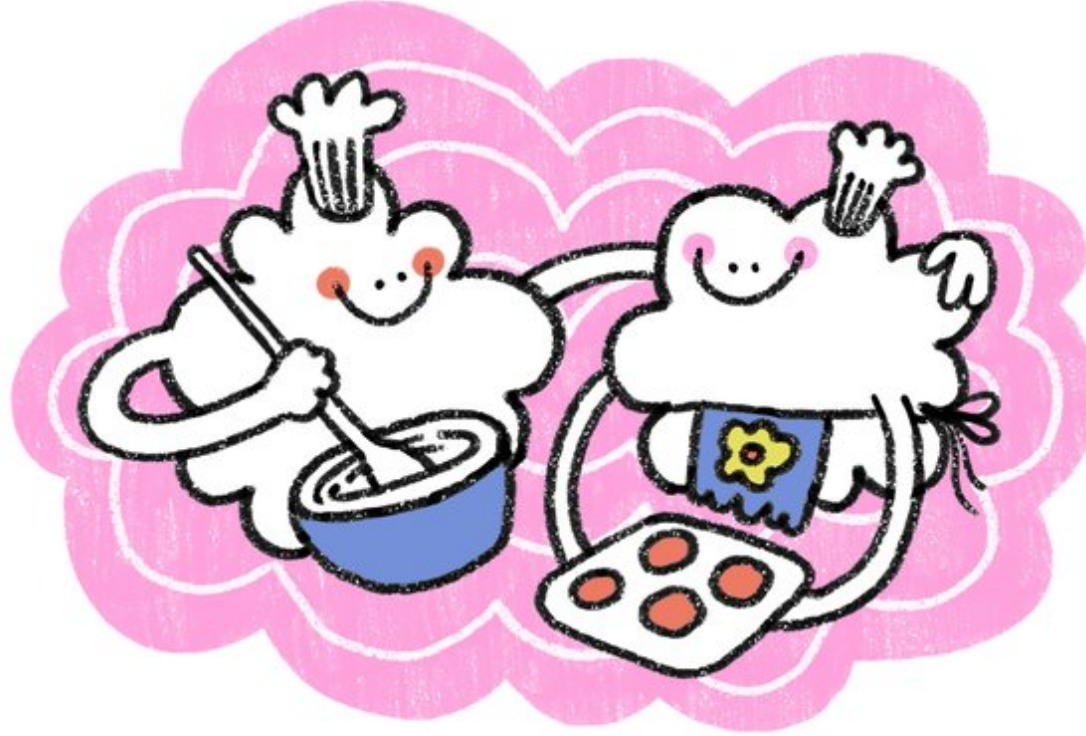
“अब चलो थोड़ा ताज़ी हवा में तैरने चलते हैं,” पयोधी बोली।

वे विशाल, शांतिपूर्ण बादलों के बीच तैरते रहे।
मेघा ने सुन्दर रंगों वाले बड़े-बड़े फूले हुए बादलों को देखा।
उसके दिल की धड़कन धीमी हो गयी। उसके हाथ अब पसीने से तर नहीं थे।



“हम एक साथ मिठाई बनायेंगे,” पयोधी ने कहा।
“और अगर हम सारी मिठाइयाँ ना भी बना पाए तो भी कोई बात नहीं।”

“मतलब?” मेघा ने पूछा।



“बस हमें अपनी तरफ से पूरा प्रयास करना है,” पयोधी ने कहा।
उन्होंने मिठाई बनानी शुरू कर दी। दो लोगों के लिए ये आसान था।

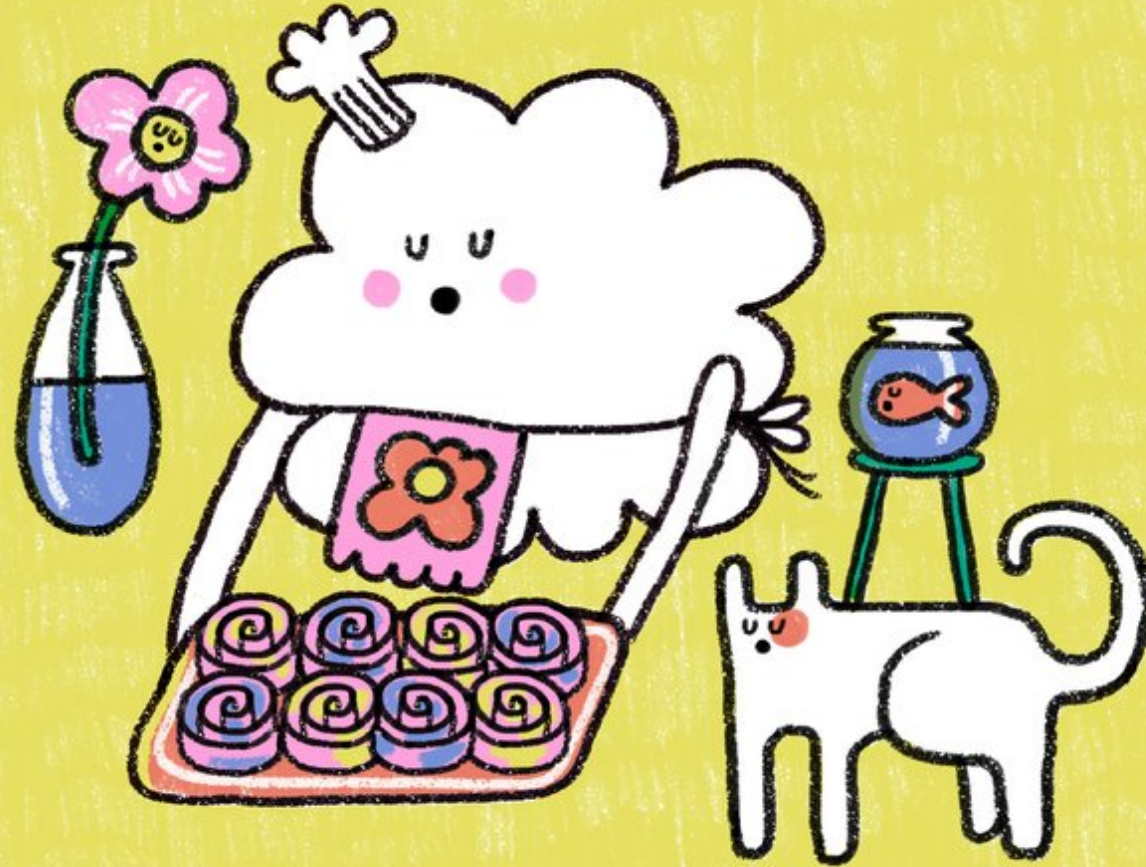
मेघा ने चिंतित ना होने की कोशिश की। जब भी उसके दिमाग में खयाल आता
'क्या होगा अगर' तो वह सबसे अच्छी मिठाइयाँ बनाने के बारे में सोचती।

उसने गहरी सांसे ली और पयोधी से बात की। इससे वह हमेशा बेहतर महसूस करती थी।



दावत वाले दिन, मेघा के पास केवल ७०० मिठाइयाँ ही थी। उसे थोड़ा दुख हुआ।
वह थोड़ी देर के लिए बाहर तैरने निकल गयी।

उसने धीरे से गहरी-गहरी सांसें ली और बेहतर महसूस करने लगी।
वास्तव में वह गर्व और खुशी का मिला-जुला अनुभव कर रही थी।
वह जानती थी कि उसने अपनी तरफ से पूरी कोशिश की है।





दावत में मिठाइयों की धूम मच गई।
मेघा को मिठाइयों के ढेर सारे आर्डर मिले।



“अगली बार जब मैं मिठाई बनाउंगी तो आपसे मदद माँगुंगी,” मेघा ने मुस्कुराते हुए कहा।
बहुत लम्बे समय बाद ये उसकी पहली बड़ी मुस्कुराहट थी। और एक बार फिर से,
मेघा मेघपुरम की सबसे खुशमिज़ाज़ बादल थी।

Story Attribution:

This story: मेघा - एक खुशमिजाज़ बादल is translated by [Pooja](#). The © for this translation lies with Pratham Books, 2020. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Based on Original story: '[Kuwomba the Anxious Cloud](#)', by [Kuzhali Manickavel](#). © Pratham Books, 2020. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license.

Other Credits:

'Megha - Ek Khushamizaaz Baadal' has been published on StoryWeaver by Pratham Books. www.prathambooks.org.

Images Attributions:

Cover page: [A cloud looks anxious with candy, a cat and a fish bowl above its head](#), by [Aditi Damle](#) © Pratham Books, 2020. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 2: [A cloud in a chef hat sells candy to other clouds](#), by [Aditi Damle](#) © Pratham Books, 2020. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 3: [A cloud has butterflies in its stomache](#), by [Aditi Damle](#) © Pratham Books, 2020. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 4: [A table with different candies, toffees and pastries on and around it](#), by [Aditi Damle](#) © Pratham Books, 2020. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 5: [A cloud looks anxious](#), by [Aditi Damle](#) © Pratham Books, 2020. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 6: [A cloud lies in bed unable to fall asleep](#), by [Aditi Damle](#) © Pratham Books, 2020. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 7: [A cloud comforts another cloud](#), by [Aditi Damle](#) © Pratham Books, 2020. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 8: [Clouds breathing in](#), by [Aditi Damle](#) © Pratham Books, 2020. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 9: [Clouds breathing out](#), by [Aditi Damle](#) © Pratham Books, 2020. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 10: [Two clouds bake together](#), by [Aditi Damle](#) © Pratham Books, 2020. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license.

Disclaimer: https://www.storyweaver.org.in/terms_and_conditions



Some rights reserved. This book is CC-BY-4.0 licensed. You can copy, modify, distribute and perform the work, even for commercial purposes, all without asking permission. For full terms of use and attribution, <http://creativecommons.org/licenses/by/4.0/>



This book was made possible by Pratham Books' StoryWeaver platform. Content under Creative Commons licenses can be downloaded, translated and can even be used to create new stories - provided you give appropriate credit, and indicate if changes were made. To know more about this, and the full terms of use and attribution, please visit the following [link](#).

Images Attributions:

Page 11: [A mountain of candies](#), by [Aditi Damle](#) © Pratham Books, 2020. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 12: [A cloud holds a tray of candies](#), by [Aditi Damle](#) © Pratham Books, 2020. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 13: [Clouds eating candy](#), by [Aditi Damle](#) © Pratham Books, 2020. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 14: [Clouds look happy](#), by [Aditi Damle](#) © Pratham Books, 2020. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license.

Disclaimer: https://www.storyweaver.org.in/terms_and_conditions



Some rights reserved. This book is CC-BY-4.0 licensed. You can copy, modify, distribute and perform the work, even for commercial purposes, all without asking permission. For full terms of use and attribution, <http://creativecommons.org/licenses/by/4.0/>

मेघा - एक खुशमिज़ाज़ बादल

(Hindi)

मेघा मेघपुरम की सबसे खुशमिज़ाज़ बादल है। उसे दावत के लिए एक हज़ार लड्डू बनाने का आर्डर मिला है पर खुश होने के बजाए वह दुखी है। क्यों? चलिए जानते हैं!

This is a Level 2 book for children who recognize familiar words and can read new words with help.



Pratham Books goes digital to weave a whole new chapter in the realm of multilingual children's stories. Knitting together children, authors, illustrators and publishers. Folding in teachers, and translators. To create a rich fabric of openly licensed multilingual stories for the children of India and the world. Our unique online platform, StoryWeaver, is a playground where children, parents, teachers and librarians can get creative. Come, start weaving today, and help us get a book in every child's hand!